अयोध्या नगरी आज सोने री भई भजन लिरिक्स

अयोध्या नगरी,
आज सोने री भई,
आज सोने री भई,
राजा री नगरी,
आज सोने री भई।bd।

राजा दसरथ घर राम जन्मिया,
राजा दसरथ घर राम जन्मिया,
घर घर खुशी रे भई,
राजा री नगरी,
आज सोने री भई।bd।

राजा दसरथ घर मढियो पालणो,
राजा दसरथ घर मढियो पालणो,
हिरा मोती सु जड़ो,
राजा री नगरी,
आज सोने री भई।bd।

राजा दसरथ घर बाजा बाजे,
राजा दसरथ घर बाजा बाजे,
लंका तो धुज रही,
राजा री नगरी,
आज सोने री भई।bd।

दादुर मोर पपैया बोले,
दादुर मोर पपैया बोले,
कोयल गुंज रही,
राजा री नगरी,
आज सोने री भई।bd।

नव सौ नदियां उबकण लगी,
नव सौ नदियां उबकण लगी,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

चरण पखार रही,
राजा री नगरी,
आज सोने री भई।bd।

पाट पीतांबर दासा ने दिना,
पाट पीतांबर दासा ने दिना,
विप्रा ने भोम सही,
राजा री नगरी,
आज सोने री भई।bd।

तुलसीदास आस रघुवर की,
तुलसीदास आस रघुवर की,
घर घर खुशी छाई रे,
राजा री नगरी,
आज सोने री भई।bd।

अयोध्या नगरी,
आज सोने री भई,
आज सोने री भई,
राजा री नगरी,
आज सोने री भई।bd।

गायक – स्वामी सचिदानंद आचार्य जी।
प्रेषक – सुभाष काकड़ा।
9024909170

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com